ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश

जोतपुर, कटंगपाली और चेलफोरा डोलोमाइट खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय मंजूरी

कुल खान क्षेत्र 13.8696 हेक्टेयर

पर

गांव जोतपुर, कंटगपाली और चेलफोरा तहसील सरिया, जिला सांरगढ–बिलाईगढ़, राज्य छत्तीसगढ़

क्र.	आवेदक	टीओआर की संख्या और तारीख	भूमि खसरा	आवेदित पट्टे का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	वार्षिक उत्पादन क्षमता (टन)में	आवेदित भूमि का पता	क्लस्टर क्षेत्र (हेक्टेयर)
1	मेसर्स विनायक मिनरल्स, कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल (एचयूएफ)	89/एस.ई.ए.सी.छ.ग./माईन/2753 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 03/04/2024	46/2, 57/1, 57/2, 57/3, 58/1, 58/2, 59/1, 59/2, 59/3, 61, 62/1, 62/2, 62/3, 63/1, 63/3, 73/2(क), 73/2(ख), 74/1, 74/2, 75/1, 75/2, 75/3, 76/1, 76/2, 76/3, 81, 82/2, 87/3(क), 87/3(घ), 87/3(ड.) और 89	4.8016	1,20,000	ग्राम – जोतपुर, तहसील–सरिया, जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़, छत्तीसगढ	*48.6516*
2	मेसर्स शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (निदेशक – प्रतीश कुमार गोयल)	TO24B0108CG5467360N दिनांक 11/09/2025	9/1क, 9/1ख, 9/1ग, 9/1घ, 10/2कं, 10/2ख, 10/2ग, 10/2घ, 12/1, 12/2, 12/3, 17/1क, 17/2, 18/2 और 28/2	2.881	1,50,000	ग्राम – कंटगपाली, तहसील–बरमकेला, जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़, छत्तीसगढ	
3	श्री मंगल मेटल (पार्टनर– प्रतीश कुमार गोयल)	TO24B0108CG5537674N दिनांक – 13/06/2025	214/1/क, 214/1/ख, 214/1/ग, 214/1/ड, 215, 240, 240/283, 241/1, 241/2, 241/3, 241/5, 241/6	1.927	1,14,160	ग्राम – छैलफोरा तहसील–बरमकेला, जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़, छत्तीसगढ	
4	मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स पार्टनर – अंकुर कुमार अग्रवाल	TO24B0108CG5906677N , दिनांक – 03/11/2025	68/1, 68/3, 69/2, 70, 80, 84/1, 84/2क, 84/2ख, 85/1, 85/3क, 87/3ख, 90/1–91/1, 90/2–91/2, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4, 93/1क, 93/1ख, 93/1ग, 93/1घ, 93/1ड, 93/1च, 93/1छ, 93/1ज, 93/1झ, 93/2क, 93/2घ, 93/3, 94/4, 94/5	4.26	उत्पादन क्षमता में 26,600.05 टन से 2,00,114 टन तक वृद्धि	ग्राम – जोतपुर, तहसील–सरिया, जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़, छत्तीसगढ	

पर्यावरण सलाहकार

अल्ट्रा टेक

(पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श)

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन

NABET प्रत्यायन संख्या – NABET/EIA/24-27/RA/0378

वैधता – 18/10/2027 तक

विषयसूची

1.0 परियोजना का नाम और स्थान..... 3

2.0 उत्पादन एवं क्षमता.....3

3.0 भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईधन की आवश्यकता और आपूर्ति का 4

4.0 प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत 4

5.0 पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका 6

6.0 परियोजना की पूंजीगत लागत पूरा होने का अनुमानित समय 6

7.0 परियोजना के लिए चयनित स्थल–भूमि की प्राकृतिक स्थिति – कृषि एकल/दोहरी फसल, बंजर सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति निकटवर्ती 2–3 किमी के भीतर जल निकाय जनसंख्या 10 किमी के भीतर अन्य उघोग वन पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र सुगम्यता 6

8.0 आधारभूत पर्यावरणीय ऑकड़े – वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव–जन्तु सामाजिक–आर्थिक स्थिति आस–पास की आबादी 6

9.0 खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई 8

10.0 पर्यावरण का वायु जल भूमि वनस्पति–जीव तथा आस–पास की आबादी पर संभावित प्रभाव.....8

11.0 प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना.....9

12.0 जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुदे.....9

13.0 सीएसआर/सीईआर योजना.....9

14.0 व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय.....9

15.0 परियोजना पश्चात निगरानी योजना 9

कार्यकारी सारांश

1.0 परियोजना का नाम और स्थान

यह डोलोमाईट पत्थर की मौजूदा और प्रस्तावित खनन परियोजनाओं का समूह है। मेसर्स विनायक मिनरल्स कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल(एचयूएफ), शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड मेसर्स श्री मंगल मेटल पार्टनर प्रतीश कुमार गोयल के पक्ष में अवर सचिव (खनिज संसाधन विभाग) छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 3 आशय पत्र जारी किए गए हैं और मौजूदा परियोजना मेसर्स बालाजी माईन्स एंड मिनरल्स पार्टनर अंकुर कुमार अग्रवाल की है, कलेक्टर रायगढ़ द्वारा। ये सभी परियोजनाएँ ग्राम जोतपुर, कटंगापाली और छैलफोरा क्षेत्र, तहसील – सरिया और बरमकेला, जिला– सारंगढ़–बिलाईगढ़, राज्य – छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। चार आवेदकों का विवरण इस प्रकार है –

क्र.	आवेदक	ग्राम	खसरा नंम्बर	एरिया (हेक्टेयर)	एलओआई नंबर और लीज डीड	खनिज प्रकार
1	मेसर्स विनायक मिनरल्स, कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल (एचयूएफ)	जोतपुर	46/2, 57/1, 57/2, 57/3, 58/1, 58/2, 59/1, 59/2, 59/3, 61, 62/1, 62/2, 62/3, 63/1, 63/3, 73/2(क), 73/2(ख), 74/1, 74/2, 75/1, 75/2, 75/3, 76/1, 76/2, 76/3, 81, 82/2, 87/3(क), 87/3(घ), 87/3(ड.) और 89	4.8016	एफ 3–7/2022/12, नवा रायपुर, दिनांक 11/04/2023	डोलोमाईट
2	मेसर्स शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (डॉयरेक्टर – प्रतीश कुमार गोयल)	कंटगपाली	9/1क, 9/1ख, 9/1ग, 9/1घ, 10/2कं, 10/2ख, 10/2ग, 10/2घ, 12/1, 12/2, 12/3, 17/1क, 17/2, 18/2 और 28/2	2.881	एफ 3–18/2021/12, नवा रायपुर, दिनांक 07/04/2022	डोलोमाईट
3	श्री मंगल मेटल (पार्टनर– प्रतीश कुमार गोयल)	छैलफोरा	214/1/क, 214/1/ख, 214/1/ग, 214/1/ड, 215, 240, 240/283, 241/1, 241/2, 241/3, 241/5, 241/6	1.927	एफ 3–13/2022/12, नवा रायपुर, दिनांक 04/10/2023	डोलोमाईट
4	मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स पार्टनर – अंकुर कुमार अग्रवाल	जोतपुर	68/1, 68/3, 69/2, 70, 80, 84/1, 84/2क, 84/2ख, 85/1, 85/3क, 87/3ख, 90/1–91/1, 90/2–91/2, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4, 93/1क, 93/1ख, 93/1ग, 93/1घ, 93/1ड, 93/1च, 93/1छ, 93/1ज, 93/1झ, 93/2क, 93/2घ, 93/3, 94/4, 94/5	4.26	23/02/2018 से 22/02/2068 की अवधि के लिए निष्पादित पट्टा	डोलोमाईट

यह खनन परियोजनाएँ ईआईए अधिसूचना 2006 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार श्रेणी बी–1 परियोजना या गतिविधि 1(ए) के अंतर्गत वर्गीकृत हैं और एसईएसी, छत्तीसगढ़ में इनका मूल्यांकन किया जाएगा। ये पट्टे अलग–अलग परियोजनाएँ हैं जिनमें 4.8016 हेक्टेयर, 2.881 हेक्टेयर, 1.927 हेक्टेयर और 4.26 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल हैं और ये संयुक्त रूप से 13.8696 हेक्टेयर के क्लस्टर क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। ईआईए अधिसूचना दिनांक 15 जनवरी 2016 और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र संख्या L-11011/175/2018–I A-II (M) दिनांक 12.12.2018 और एनजीटी आदेश दिनांक 13 सितंबर 2018 के अनुसार, श्रेणी बी–2 के अंतर्गत आने वाले 5 से 25 हेक्टेयर तक के सभी क्षेत्र को क्लस्टर स्थिति सहित बी–1 माना जाएगा और इसलिए यह बी–1 श्रेणी की परियोजना है।

2. उत्पादन एवं क्षमता

क्र.	आवेदक	एरिया (हेक्टेयर)	वार्षिक उत्पादन क्षमता (टन में)
1	मेसर्स विनायक मिनरल्स, कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल (एचयूएफ)	4.8016	1,20,000 टन
2	मेसर्स शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (डॉयरेक्टर – प्रतीश कुमार गोयल)	2.881	1,50,000 टन
3	श्री मंगल मेटल (पार्टनर– प्रतीश कुमार गोयल)	1.927	1,14,160 टन

4	मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स (पार्टनर – अंकुर कुमार अग्रवाल)	4.26	उत्पादन क्षमता 26,600. 05 टन से बढ़कर 2,00,114 टन हो गई

3. भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता और आपूर्ति का स्रोत –

- **भूमि क्षेत्रफल :** मेसर्स विनायक मिनरल्स (कर्ता– आनंद कुमार अग्रवाल एचयूएफ) का भूमि क्षेत्रफल 4.8016 हेक्टेयर, शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (डायॅरेक्टर – प्रतीश कुमार गोयल) का भूमि क्षेत्रफल 2.881 हेक्टेयर, मेसर्स श्री मंगल मेटल (भागीदार– प्रतीश कुमार गोयल) का भूमि क्षेत्रफल 1.927 हेक्टेयर और मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स (भागीदार– अंकुर कुमार अग्रवाल) का भूमि क्षेत्रफल 4.26 हेक्टेयर है। सभी 4 आवेदित खदानों का कुल क्षेत्रफल 13.8696 हेक्टेयर है।
- **कच्चा माल :** डोलोमाइट पत्थर के खनन के लिए किसी कच्चे माल की आवश्यकता नहीं होती है।
- **पानी :** जोतपुर, कटंगपाली और छेलफोरा खदानों के लिए कुल 30.50 किलोलीटर पानी की आवश्यकता होगी, जिसका उपयोग घरेलू उद्देश्यों (पेयजल और स्वच्छता), वृक्षारोपण और धूल नियंत्रण के लिए किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर, ग्राम पंचायत से टैंकरों और बोरवेल के माध्यम से जल एकत्र किया जाएगा।
- **बिजली –** खनन कार्य के लिए श्रमिकों, प्रशासनिक भवन और क्रशर प्लांट को छोड़कर किसी भी अन्य कार्य के लिए बिजली की आवश्यकता नहीं है। बिजली राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त की जाएगी। पट्टा क्षेत्र में विद्युत लाइन उपलब्ध है।
- **ईंधन :** खनन कार्यों और ट्रैक्टर व अन्य परिवहन वाहनों के संचालन के लिए ईंधन का उपयोग डीज़ल के रूप में किया जाएगा। ईंधन की मात्रा परिवहन वाहन, अन्य मशीनरी के उपयोग और अनुमानित उत्पादन की उपलब्धि के स्तर पर निर्भर करेगी। डीज़ल की आपूर्ति नज़दीकी डीज़ल पंपों से की जाएगी।

4. प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत –

- **गैसीय उत्सर्जन –**
  1) स्थिर स्रोत – शून्य
  2) गतिशील स्रोत – डीजल चालित ट्रैक्टरों, उत्खनन मशीनों आदि के उपयोग के कारण SO_X और NO_X का उत्सर्जन हो सकता है।
- **तरल अपशिष्ट –** केवल घरेलू अपशिष्ट उत्पन्न होने की उम्मीद है जिसका उपचार सेप्टिक टैंक और उसके बाद सोख गड्ढों के माध्यम से किया जाएगा।
- **ठोस अपशिष्ट–** खदान से कोई भी निम्न–श्रेणी/अपशिष्ट खनिज उत्पन्न नहीं होगा। सभी ROM (Run of Mining) खनिज पत्थर की खदानों में भवन और निर्माण सामग्री के रूप में उपयोगी और विक्रय योग्य हैं। इसलिए कोई भी निम्न–श्रेणी या अस्वीकृत खनिज उत्पन्न नहीं होगा जिसके लिए उचित निपटान प्रबंधन योजना की आवश्यकता हो।
- **माईन अपशिष्ट –**
- **1) ऊपरी मिट्टी**

क्रं	विवरण	मेसर्स विनायक मिनरल्स, कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल (एचयूएफ)	मेसर्स शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (डॉयरेक्टर – प्रतीश कुमार गोयल)	श्री मंगल मेटल (पार्टनर– प्रतीश कुमार गोयल)	मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स (पार्टनर – अंकुर कुमार अग्रवाल)
1.	गहराई	0.15 मीटर	0.50 मीटर	–	
2.	मात्रा	3900 घनमीटर	5774 घनमीटर	शून्य	
3.	प्रबंधन विवरण	● 1373.33 मीटर लम्बे सुरक्षा क्षेत्र (खदान	● 1333.33 मीटर लम्बे सुरक्षा क्षेत्र (खदान	● खदान क्षेत्र से कोई ऊपरी मृदा उत्पन्न	● 1506.67 मीटर लम्बे सुरक्षा क्षेत्र (खदान

		सीमा) के 4.50 मीटर चौड़े बाहरी भाग पर 3612 घन मीटर ऊपरी मिट्टी डाली जाएगी, जिसकी अधिकतम ऊंचाई 1 मीटर तथा ढलान 28 डिग्री होगी तथा वृक्षारोपण किया जाएगा। ● शेष 288 घन मीटर ऊपरी मिट्टी को पट्टा क्षेत्र के अक्षुण्ण/अप्रयुक्त गैर–कार्ययोग्य भाग में 5600 वर्ग मीटर क्षेत्र में बिछाया जाएगा।	सीमा) के 4.50 मीटर चौड़े बाहरी भाग पर 3493 घन मीटर ऊपरी मिट्टी डाली जाएगी, जिसकी अधिकतम ऊंचाई 1 मीटर तथा ढलान 28 डिग्री होगी तथा वृक्षारोपण किया जाएगा। ● शेष 2281 घन मीटर ऊपरी मिट्टी को पट्टा क्षेत्र के अप्रयुक्त/भाग पर संरक्षित किया जाएगा।	नहीं हुई।	सीमा) के 4.50 मीटर चौड़े बाहरी भाग पर 3963 घन मीटर ऊपरी मिट्टी डाली जाएगी, जिसकी अधिकतम ऊंचाई 1 मीटर तथा ढलान 28 डिग्री होगी तथा वृक्षारोपण किया जाएगा। ● शेष 1871 घनमीटर ऊपरी मिट्टी को पट्टा क्षेत्र के अप्रयुक्त भाग पर संरक्षित किया जाएगा तथा बाद में इसका उपयोग पट्टा क्षेत्र में वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।

2) ओवरबर्डन –

क्रं	आवेदक का नाम	उत्पन्न होने वाले ओवरबर्डन की मात्रा	अपशिष्ट निपटान व्यवस्था
1.	मेसर्स विनायक मिनरल्स, कर्ता आनंद कुमार अग्रवाल (एचयूएफ)	1,23,100	• ओवरबर्डन का उपयोग पट्टा क्षेत्र के भीतर खदान और क्रशर के रैंप, ढुलाई मार्ग के विकास और रखरखाव के लिए किया जाएगा। • ओवरबर्डन का उपयोग पट्टा क्षेत्र के चारों ओर बांध के विकास और क्रशर संयंत्र की स्थापना के लिए प्रस्तावित क्षेत्र में भूमि समतलीकरण के लिए किया जाएगा। • ओवरबर्डन का उपयोग ब्लास्टिंग होल के लिए स्टेमिंग सामग्री के रूप में भी किया जाएगा। • शेष ओवरबर्डन का उपयोग खदान बंद होने के दौरान खनन किए गए गड्ढों को भरने के लिए किया जाएगा। • यदि कोई ओवरबर्डन बचा है, तो उसे पट्टा क्षेत्र के अप्रयुक्त भाग में भी रखा जा सकता है या सीजी एमएमआर 2015 के तहत लागू रॉयल्टी के भुगतान के बाद परिवहन किया जा सकता है।
2.	मेसर्स शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (डॉयरेक्टर – प्रतीश कुमार गोयल)	28,873	
3.	श्री मंगल मेटल (पार्टनर– प्रतीश कुमार गोयल)	63,552	
4.	मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स (पार्टनर – अंकुर कुमार अग्रवाल)	93,340	

5. पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका

- खनन गतिविधि से पहले ऊपरी मिट्टी को हटाकर पट्टा क्षेत्र में संग्रहित किया जाएगा, जिसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र से उत्खनित डोलोमाइट पत्थर पूरी तरह से बिक्री योग्य होगा, जिससे पट्टा क्षेत्र में कोई डंप नहीं होगा।
- अर्ध–यंत्रीकृत खुली खदान विधि से खनिजों का उत्खनन और लदान, खनन कार्य के कारण, सामान्य खदानों से उत्सर्जन बहुत कम होता है। इससे क्षेत्र की वायु गुणवत्ता और ध्वनि की गुणवत्ता पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।
- संकल्पनात्मक अवधि के अंत में, उत्खनित खदान को जल भंडार में परिवर्तित कर दिया जाएगा ताकि सिंचाई और मछलीपालन जैसे स्थानीय उपयोगों के लिए पानी की आपूर्ति की जा सके और साथ ही भूजल क्षमता में सुधार हो सके।

6. परियोजना की पूंजीगत लागत, पूरा होने का अनुमानित समय –

मेसर्स विनायक मिनरल्स (कर्ता– आनंद कुमार अग्रवाल एचयूएफ खदान की पूरी परियोजना लागत 65.00 लाख रुपये होगी, शुभ मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (निदेशक – प्रतीश कुमार गोयल) खदान की पूरी परियोजना लागत 55.00 लाख रुपये होगी, मेसर्स श्री मंगल मेटल (भागीदार– प्रतीश कुमार गोयल) खदान की पूरी परियोजना लागत 28.00 लाख रुपये होगी और मेसर्स बालाजी माइंस एंड मिनरल्स (भागीदार – अंकुर कुमार अग्रवाल) खदान की पूरी परियोजना लागत 85.00 लाख रुपये होगी और पूरा होने का अनुमानित समय इस परियोजना के ईसी के अनुदान और सरकार के साथ खनन के लिए समझौते की तारीख और आवेदक को कार्य आदेश से 50 वर्ष तक है।

7. परियोजना के लिए चयनित स्थल–भूमि की प्राकृतिक स्थिति–कृषि (एकल/दोहरी फसल), बंजर,सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति, निकटवर्ती (2–3 किमी के भीतर) जल निकाय, जनसंख्या, 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग, वन, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र, सुगम्यता –

- **भूमि विवरण :** जोतपुर, कटंगापाली और चेलफोरा डोलोमाइट खदान का खनन पट्टा क्षेत्र 13.8696 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **जल निकाय :** निकटतम जल निकाय महानदी नदी है जो खनन क्षेत्र से 2.25 किमी की दूरी पर बहती है।
- **पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र :** परियोजना स्थल के आसपास 10 किलोमीटर के भीतर कोई राष्ट्रीय उद्यान या वन्य जीवन अभयारण्य नहीं है।
- **वन भूमि :** गोमर्दा वन्यजीव अभयारण्य लगभग 10.102 किमी दूर है।
- **10 किमी के भीतर उद्योग :** 10 किमी के भीतर कोई नहीं।
- **जनसंख्या :** हालिया जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की परिधि में) 29,623 घरों में 1,12,233 है। पुरुषों की जनसंख्या 56,605 और महिलाओं की जनसंख्या 55,628 है। अध्ययन क्षेत्र में सबसे अधिक जनसंख्या चंद्रपुर (उत्तर प्रदेश) (7,688) में है।

पहुँच–

1. निकटतम रेलवे स्टेशन परियोजना स्थल से लगभग 28.00 किमी दूर है।
2. निकटतम बस स्टैंड जोतपुर बस स्टैंड है जो परियोजना स्थल से 1.00 किमी दूर है।
3. निकटतम राजमार्ग सारंगढ़–रायगढ़ राजमार्ग है जो परियोजना स्थल से 7.30 किमी दूर है।

8. आधारभूत पर्यावरणीय आँकड़े– वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता, मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव–जंतु, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, आस–पास की आबादी –

विशिष्ट	स्थानों की संख्या	विवरण
वायु गुणवत्ता निगरानी विश्लेषण	12 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PM_{10} :- 42 to 71 μg/m^3 $PM_{2.5}$:- 14 to 33 μg/ m^3 SO_2 : - 6 ug/m3 to 15 μg/ m^3 NOx:- 12 to 19 μg/ m^3 CO: - 0.5 to 1.3 mg/ m^3 SiO_2 - 0.02 to 0.06 μg/ m^3
शोर स्तर का विश्लेषण	12 स्थानों पर निगरानी की गई	दिन के समय शोर का स्तर:– 52 to 59.2 dB (A) रात के समय शोर का स्तर:– 43.9 to 49 dB (A)
पानी का विश्लेषण	4 स्थानों पर भूजल के नमूने लिए गए	PH :- 7.2 to 7.8 ; TDS :- 397to 547 mg/l ; Total Hardness :- 268 to 340 mg/l SO_4 :-57 mg/l to 73 mg/l; Chloride :- 55 mg/l to 91 mg/l; Zn & Fe: - Below detectable limit.
	सैम्पलिंगः– 3 सतही जल पर	PH :- 7.6 to 7.8 ; TDS :- 364 mg/l to 587 mg/l; Dissolve oxygen: - 5.7 to 6.2 mg/l. Chloride :- 91mg/l to 121 mg/l; Sulphate :- 45 mg/l to 77 mg/l; Total Hardness :- 208 to 316 mg/l ;
मृदा विश्लेषण	10 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PH :- 7.2 to 7.9; Nitrogen: - 162 to 194 kg/ha. Phosphorus:– 47 to 90 kg/ha Potassium :– 402 to 493 kg/ha

वनस्पति : कोर क्षेत्र परियोजना स्थल (ए) में बहुत कम वनस्पति शामिल है जो क्लस्टर क्षेत्र (कोर जोन) के भीतर बहुत कम है। कोर ज़ोन में आम तौर पर देखी जाने वाली वृक्ष प्रजातियाँ हैंरू बबूल निलोटिका (बबूल), ब्यूटिया मोनोस्पर्मा (पलाश), पिथेसेलोबियम डलस (विलायतिचिंच), जबकि झाड़ियाँ जैसे कैलोट्रोपिस–गिगेंटिया (आक), लैंटाना कैमारा (गनेरी) और रिसिनस कम्युनिस (कैस्टर) आदि। (नैटितुलसी), स्पैरेन्थसइंडिकस (गोरखमुंडी) और डैटुरा मेटेल (डेटुरो), अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख हैं। सर्वेक्षण के दौरान कोर जोन में कोई एंड एग्रीड और एंड एमिक जीव या वनस्पति नहीं पाई गई।

जीव–जंतु : परियोजना स्थल (कोर जोन) में कैनिस लूपस फैमिलिएरिस (कुत्ता) और फुनम्बुलस पेनेंटी (गिलहरी) जैसे स्तनधारी देखे गए। पक्षी–जंतु में आमतौर पर कोर जोन में कॉर्वसस्प्लेंडेंस (घरेलू कौआ) और मेरोप्सोरिएंटैलिस (ग्रीनबीटर) जैसी स्थानीय पक्षी प्रजातियां पाई गईं।

सामाजिक–आर्थिक : हाल की जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की परिधि में) 1,12,233 है। अध्ययन क्षेत्र की कार्यशील जनसंख्या 51,426 है जबकि गैर–कार्यशील जनसंख्या 60,807 है, जिसमें 15 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या, काम करने को इच्छुक नहीं लोग और सेवानिवृत्ति की आयु के बाद की जनसंख्या भी शामिल है। कार्यशील पुरुषों की संख्या 32,722 और महिलाओं की संख्या 18,704 है, जबकि गैर–कार्यशील पुरुषों की संख्या 23,883 और महिलाओं की संख्या 36,924 है।

कुल	कुल गाँव	कुल जनसंख्या	कम करने वाली जनसंख्या		गैर–कामकाजी जनसंख्या		अनुसूचित जाति जनसंख्या		एसटी जनसंख्या	
			पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
	119	1,12,233	32,722	18,704	23,883	36,924	8,883	8,788	11,974	12,091

9. खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई –

इस प्रक्रिया में कोई भी खतरनाक सामग्री शामिल नहीं है क्योंकि यह एक पत्थर खनन परियोजना है। परिचालन और खनन चरण के दौरान निर्माण सामग्री को संभालना, संग्रहीत और उपयोग किया जाना है जो की अधिकांशतः गैर–खतरनाक प्रकार की हैं

10. परियोजना का वायु, जल, भूमि, वनस्पति–जीव तथा आस–पास की आबादी पर संभावित प्रभाव –

क्र.	विशिष्ट	प्रदूषण के संभावित स्रोत	प्रदूषण का परिमाण	नियंत्रण के उपाय	जम्मिदारी	निर्धारित समय – सीमा	निगरानी
1	वायु	- वाहनों की आवाजाही - उत्खनन – विस्फोट - लोडिंग और अनलोडिंग -पत्थर /ओवरबर्डन का परिवहन	उच्च	- मोबाइल स्प्रिंकलर – तेज ड्रिल बिट्स से गीली ड्रिलिंग – वृक्षारोपण - वाहनों का आवधिक रखरखाव - पीयूसी प्रमाणित वाहन - बैरिकेड्स जो धूल अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - पार्किंग प्रावधान और उचित यातायात व्यवस्था	ईएमपी सेल	6 माह	सप्ताह में दो बार
2	शोर और कंपन	- विस्फोट और कंपन - वाहन की आवाजाही - मशीनरी संचालन	मध्यम	- वृक्षारोपण - नियंत्रित ब्लास्टिंग और नोनील का उपयोग - रॉक ब्रेकर का उपयोग करके द्वितीयक विस्फोट से बचें - श्रमिकों के लिए पीपीई किट - उपकरणों के लिए बाडे (यदि कोई हो तो क्रशर) - बैरिकेड्स जो शोर अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - रैंप और हॉल रोड का रखरखाव - वाहनों का आवधिक रखरखाव – स्नेहन, मफलिंग और आधुनिकीकरण - रात्रि के समय ध्वनि प्रदूषणकारी कार्य न करें	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
3	जल	– खदान जल निकासी – घरेलू सीवेज – तेल रिसाव	उच्च	– गारलैंड नालियाँ। – सेप्टिक टैंक और सोक पिट सहित अस्थायी शौचालय। – जलाशय में कोई अपशिष्ट जल नहीं छोडा जाएगा। – मशीनों और उपकरणों से तेल के रिसाव को रोकना।	ईएमपी सेल	12 माह	तिमाही में एक बार
4	भूमि	– सर्वोत्तम मृदा गुणवत्ता	मध्यम	– मोबाइल स्प्रिंकलर। – गीली ड्रिलिंग। – वृक्षारोपण। – नियंत्रित ब्लास्टिंग।	ईएमपी सेल	6 माह	साल में एक बार
5	ठोस अपशिष्ट	– ओवरबर्डन डंप – घरेलू ठोस	मध्यम	– पुनर्ग्रहण योजना – ओबी प्रबंधन – रॉयल्टी के भुगतान पर ओबी का परिवहन	ईएमपी सेल	खदान का जीवन	माह में एक बार

				– निपटान टैंक		काल	
6	भूमि उपयोग	– भूमि उपयोग में परिवर्तन	उच्च	– पुनर्ग्रहण योजना – वाहनों और उपकरणों से तेल, डीजल आदि के रिसाव से बचने के लिए सावधानियां बरती जाएंगी।	ईएमपी सेल	खदान का जीवन काल	संकल्पनात्मक चरण पर
7	पारिस्थिति की और जैव विविधता	– वाहनों की आवाजाही – भूमि उपयोग में परिवर्तन	मध्यम	– वृक्षारोपण – सीमा/बाड का निर्माण – स्थानीय लोगों को शिक्षित करना	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
8	जोखिम और खतरा	– जलप्लावन – ढलान टूटना – विस्फोट – आग	उच्च	– खदान के नाबदान का विकास – जल निकासी और निपटान टैंक के लिए पंप – डंप ढलान स्थिरीकरण – गारलैंड नालियाँ – अग्निशामक यंत्र	ईएमपी सेल	12 माह	माह में एक बार
9	सामाजिक-आर्थिक	– कृषि भूमि का नुकसान – विस्फोट – जल उपलब्धता में कमी/हानि – खनन गतिविधियों के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव	उच्च	– स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाएगा – गीली ड्रिलिंग, – मोबाइल स्प्रिंकलर, – नियंत्रित ब्लास्टिंग – जन सुनवाई अनुपालन – सीईआर – प्राथमिक उपचार और आवधिक चिकित्सा जाँच	ईएमपी सेल	12 माह	साल में एक बार

11. प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना –

आपदा के प्रभाव को तैयारी, न्यूनीकरण और घटना–पश्चात पुनर्वास कार्यों के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर, एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा जिला अधिकारियों के समन्वय से, क्षति को न्यूनतम करने के लिए उसी योजना को क्रियान्वित किया जाएगा।

12. जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे – अभी तक नहीं किया गया है ।

13. सीएसआर/सीईआर योजना –

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ. संख्या 22–65/2017–IA-III दिनांक 01/05/2018 और 30/09/2020 के पैरा 3 और 6 के अनुसार, CER को EMP में शामिल किया गया है जो B1 परियोजनाओं के लिए CSR के स्थान पर लागू है। उत्पादन के दौरान, खदान मालिक रॉयल्टी का भुगतान करेगा और इसका 30–35% DMF और उपकर के रूप में राज्य सरकार को देगा। राज्य सरकार स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देते हुए, प्रभावित क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के लिए DMF निधि का उपयोग करेगी।

14. व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय–

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, उत्पादकता और अच्छे नियोक्ता–कर्मचारी संबंधों से बहुत निकटता से जुड़ा हुआ है। डोलोमाइट स्टोन खनन परियोजना के खनन में व्यावसायिक स्वास्थ्य के कारक मुख्यतः धूल और भूमि क्षरण हैं। संचालन और रखरखाव आदि के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा खान नियमों और विनियमों के अनुसार होगी।

खानों में शामिल व्यावसायिक खतरे धूल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, उपकरणों से चोट लगने और ऊँचे स्थानों से गिरने से संबंधित हैं। डीजीएमएस ने इन व्यावसायिक खतरों से सुरक्षा के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। प्रबंधन इन दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करेगा।

15. परियोजना पश्चात निगरानी योजना–

परियोजना–पश्चात पर्यावरण निगरानी, मानवजनित कारकों के प्रभाव में पर्यावरण की स्थिति में परिवर्तनों के अवलोकन, आकलन और पूर्वानुमान की एक जटिल प्रणाली है, निगरानी, परिवर्तनों का आकलन और पूर्वानुमान करने के लिए इष्टतम संख्या में मापदंडों के साथ अवलोकन की एक सूचना प्रणाली है।